

भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1918
06 दिसम्बर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

पोषण-रहित भोजन का प्रभाव

1918. डॉ. शशि थरूर:

क्या स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार ने देश में विभिन्न आयु समूहों पर पोषण रहित भोजन के प्रभाव का आकलन करने के लिए कोई अध्ययन किया है;
- (ख) यदि हां, तो विभिन्न आयु समूहों में पोषण रहित भोजन से प्रभावित लोगों का प्रतिशत कितना है;
- (ग) पोषण रहित भोजन से निपटने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए/उठाए जाने का प्रस्ताव है; और
- (घ) क्या सरकार प्रोत्साहन कार्यक्रमों के माध्यम से पोषण रहित भोजन संबंधी जागरूकता को बढ़ावा देती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (घ): सरकार ने कुपोषण की समस्या को उच्च प्राथमिकता दी है और पोषण से संबंधित विभिन्न पहलुओं के समाधान के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के माध्यम से विभिन्न मंत्रालयों/विभागों की अनेक स्कीमों/कार्यक्रमों का कार्यान्वयन कर रही है जिनमें रक्ताल्पता मुक्त भारत (एएमबी), पोषण पुनर्वास केन्द्र (एनआरसी), माताओं का संपूर्ण स्नेह (एमएए) कार्यक्रम, ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस (वीएचएसएनडी), मातृ एवं बाल सुरक्षा कार्ड, राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस (एनडीडी), लैक्टेशन प्रबंधन केंद्र, कैल्शियम अनुपूरण, जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम (जेएसएसके), राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके), राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) 2013, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेवाई) शामिल हैं।

महिला और बाल विकास मंत्रालय ने मिशन पोषण 2.0 शुरू किया है। मिशन पोषण 2.0 के तहत कुपोषण में कमी और सामुदायिक जुड़ाव, आउटरीच, व्यवहार परिवर्तन और पक्ष-समर्थन के माध्यम से बेहतर

स्वास्थ्य, कल्याण और प्रतिरक्षा के लिए एक कार्यनीतिक परिवर्तन किया गया है। मिशन पोषण 2.0 मातृ पोषण, शिशु और छोटे बच्चों के आहार मानदंडों, गंभीर तीव्र कुपोषण (एसएएम)/मध्यम तीव्र कुपोषण (एमएएम) के उपचार और वेस्टिंग, कम वजन व्यापकता, स्टंटिंग और एनीमिया को कम करने के लिए आयुष प्रथाओं के माध्यम से कल्याण पर केंद्रित है और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा लाभार्थियों को टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच और रेफरल सेवाओं की सहायता दी जाती है।

मिशन पोषण 2.0 के तहत किए गए प्रमुख कार्यकलापों में से एक सामुदायिक जुड़ाव और जागरूकता समर्थन है जो पोषण संबंधी पहलुओं पर लोगों को शिक्षित करने के लिए जन आंदोलन की ओर अग्रसर है। राज्य और संघ राज्य क्षेत्र क्रमशः सितंबर और मार्च-अप्रैल के माह में मनाए जाने वाले पोषण माह और पोषण पखवाड़ा के दौरान सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रमों के तहत संवेदीकरण कार्यकलापों का संचालन और नियमित रूप से रिपोर्ट कर रहे हैं। समुदाय आधारित कार्यक्रमों (सीबीई) ने पोषण संबंधी प्रथाओं को बदलने में एक महत्वपूर्ण कार्यनीति के रूप में कार्य किया है और सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से प्रत्येक माह दो समुदाय आधारित कार्यक्रम आयोजित करने अपेक्षित होते हैं।

शिक्षा मंत्रालय के तहत प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना (पीएम पोषण), बालवाटिका (प्री-स्कूल) से कक्षा आठवीं तक स्कूल जाने वाले बच्चों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 की अनुसूची II के तहत पोषण मानदंडों के अनुसार सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में एक गर्म पका हुआ भोजन प्रदान करती है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, आयरन फोर्टिफाइड चावल को बढ़ावा दिया जाता है। साथ ही, आयरन फोलिक एसिड गोलियां स्कूलों में नियत दिवस पहुंच के माध्यम से तथा आंगनवाड़ी केंद्रों में स्कूल न जाने वाले बच्चों को साप्ताहिक आधार पर वितरित की जाती हैं। आंगनवाड़ी केंद्र सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संचार (एसबीसीसी) का उपयोग करके स्वास्थ्य और पोषण शिक्षा प्रदान करके इस पहलू में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय पोषण संस्थान (आईसीएमआर-एनआईएन) समय-समय पर राष्ट्रीय पोषण मानीटरिंग बोर्ड सर्वेक्षण और आहार तथा बायोमार्कर सर्वेक्षण जैसे राष्ट्रीय सर्वेक्षण आयोजित करता है। सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी पर आंकड़े प्रदान करते हैं। इन आंकड़ों का उपयोग मंत्रालयों के कार्यक्रम प्रभागों द्वारा कार्यकलापों का मार्गदर्शन करने के लिए किया जाता है।

अधिक उपज देने वाली किस्मों में पोषण गुणवत्ता सुधार करने के मद्देनजर, सरकार ने खेत की फसलों और बागवानी फसलों में 171 बायोफोर्टिफाइड किस्में तैयार की हैं। ये बायोफोर्टिफाइड किस्में देश की पोषण सुरक्षा प्राप्त करने के लिए बहुत महत्व रखती हैं।
